हमारा उद्देश्य सं स्कार सत्संग कीर्तन

श्री कल्कि बाल वाटिका

मासिक पत्रिका

जीत के रहस्य
- सरलता
- स्पष्टवादिता
- सत्यता
- सिद्धांत
- संवेदनशीलता

अंक 2, कुल पृष्ठ 8 — मूल्य :मात्र 10 रुपए — मास फरवरी 2013

स्वप्नानुभव एक सम्पदा

विश्व में पहली बार छपा स्वप्न, अर्थ, उपचार, प्रार्थना सहित ग्रंथ जिसमें

सिर्फ एक बार सफल पारसमणि (मनचाही मुराद) प्राप्त कर

भगवान श्री कल्कि द्वारा प्रदान

अपने में पारसमणि बनाने की तकनीक संजोए

जैसे काशी भगवान शिव के द्वारा बसाई गई नगरी है वैसे ही भगवान श्री कल्कि की जन्मस्थली संभल (उ०प्र०) के तीनों कोनों पर शंकर जी ज्योर्तिलिंग के रूप में विराज कर संभल की रक्षा करते हैं। संभल व काशी मोक्ष का खुला हुआ द्वार है

अब यह ग्रंथ क्यों? क्योंकि

कलयुग की यह भीषण आंधी नहीं ठहरने देती है।
भक्तों को झटके दे देकर दुष्ट जनों को सेती है।।
(स्वप्नानुभव 1961)

जरा पढ़ें तो कल्याण 2012 में –
''श्री हरि का कल्कि रूप में अवतरण एवं गो संरक्षण''
का निष्कर्ष उन्होने दिया :–

भगवान श्री कल्कि के महामंत्र **'जय कल्कि जय जगत्पते पद्मापति जय रमापते'** को कम–से–कम 21 बार जप करके प्रार्थना करें कि हे श्री कल्कि भगवान्। गौ, विप्र, धर्म की रक्षा कीजिए, भूमि का भार उतार दीजिए। कलियुग का नाश करके सत्युग की स्थापना कीजिए। श्रीकल्कि की पुकार ही एक रास्ता है गोमाता, देश और धर्म को बचाने का।

कल्कि समाज के लिए मात्र 101 रुपए

तिरुपति बालाजी में विष्णु जी के साथ पदमा एवं रमा की मूर्तियों के बाद *पहली बार 27 जनवरी 2013 को* संभल में मां चामुंडा के मंदिर में अश्व चढ़े भगवान श्री कल्कि के साथ पदमा एवं रमा जी की मूर्ति स्थापना पृ. 8

संभल की तर्ज पर भगवान श्री कल्कि की आगामी मूर्ति स्थापनाओं की तिथि उपलब्ध पृ. 5

KalkiGroup(real) on face book

- नैनीताल मुक्तेश्वर मंदिर
- अग्रोहा धाम
- कांशी वाराणसी
- विंध्याचल

KALKI कल्कि — 5-6 जनवरी 2013 अगले अंकों में पढ़ें

www.jaikalki.com अब नए रूप में पृ. 2

कल्कि-कल्प वृक्ष पृ. 7

सत्संग संकीर्तन महोत्सव सूचना पृ. 5

सुप्त तीर्थ जागरण अभियान पृ. 5

हम ही क्या डॉक्टर भी कहते हैं पृ. 4

अनुभव गोष्ठी पृ. 5

महामंत्र ''जय कल्कि जय जगत्पते। पद्मापति जय रमापते।।''

www.jaikalki.com **अब नए रूप में** DREAM interpretation

सुषमा गोयल के अनुभव का जवाब देने के बाद मुझे स्वप्न में मामाजी दिखे और बोले मैंने तुम्हारे साथ सात साल जो मेहनत की है अब तो इसे बांटो—अमेरिका में श्रेया चौधरी को दिखा एक स्वप्नानुभव। आज हर घर में कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। सो अपने स्वप्नानुभव www.jaikalki.com पर पोस्ट करें और पैनल मैंबर्स से दो तीन दिन में जवाब लें। प्रस्तुत हैं www.jaikalki.com पर पोस्ट किए गए कुछ स्वप्नानुभव जिनका जवाब अमेरिका से श्रेया चौधरी द्वारा मात्र 48 से 60 घंटो में उपलब्ध किया गया। विस्तृत विवरण के लिए लॉग इन करें।

Shweta Sharma December 31, 2012

Today morning I saw in my dream that I am being called at a place where I see a couple . The lady was holding a baby in her lap and was sick. It seems that the child belonged to me and we require a lot of money to treat the child and I was showing concern knowing that I don't have enough cash/ jewellery to sell in order to treat the child. To my surprise, the couple told me that they have enough gold jewellery and money and I need not worry. The man uncovered the place sitting next to him showing me lot of jewellery and I saw it with the eyes of gratitude.
I want to know the meaning of this dream, please help me.

shreyachaudhary January 5, 2013

Dream Interpretation Summary

This dream is giving you direction in life and is overall positive. It is indicative of your low karmic balance and the financial debt that you owe to Kalki.

Dream Interpretation Details

Baby represents your most true, innocent and pure inner self or Kalki. The baby being sick represents the Kalki power and grace in your life not being able to function. It is also indicating that you currently doubt your abilities and resources to do good work for Kalki. You need to nurture and pay more attention to your devotion. You also want to consider getting started with any work that you want to do for Kalki without worrying too much about where the money/ resources you need will come from. If your devotion and work is true, there is no lack of wealth in the Kalki 'money safe'. Lastly, remember to keep a heart of gratitude while doing any work for Kalki and with people who assist or collaborate with you.

Suggested Dream San-kalp (law of intention)

1) Do the 'Hak aneeh Nishkalanka..' mantra chant 21 times or more everyday for 5 days. While doing it, imagine the same sick baby that you saw getting better and smiling with health. Ask for your good health and inner strength to work for Kalki as well
2) Pray to Guru Hanuman and ask for wisdom and guidance to do wonderful work for Kalki
3) Come up with a monetary estimate to all the wealth that you saw in your dreams. Now calculate its 0.1 or 0.001 % (or any amount you deem fit)...and add it to your Kalki's "shubh" account(if you have one). Pray to him that you have taken out his share and that he provides you with all the wealth/resources that you dreamt of
4) Thank Kalki for giving you this guidance.

Sushma Goel said on January 4, 2013

mai horoscopes le kar pandit ko dikhane jaa rahi hoon,Indu bhi saath hai.Indu ne dikha dee hai aur wo mere saamne door khadi hai.Mai kisi dusre pandit ke paas jaa baith jaati hoon.Lekin phir wahan se uth kar baahar aa jaati hoon.Kisi se maine doosre pandit ke liye pucha to usne kaha jahan deviji ki murti hai,wahan ye pandit ji baithe hain.Main wahan neeche stairs se utar kar jaane tha,Stairs bahut patli hai.pata nahi kaise saare horoscopes phat jaate hain .Main unhe joodne ke liye goond maang rahi hoon. Kisi ne bola koi baat nahi sab jud jayengi.Ek ladke ne gond mere maathe par laga diya.Maine kahan ye kya kar diya,gonnd to mujhe patri chipkane me lagana hai.Phir wahan mera beta Munna aur mere pati aa jaate hai.Mere pati kisi tray type mei doodh daal kar late hai aur wahan rakh dete hai,jahan pandit ji baithe hai,pandit ji abhi nahi hai.

shreyachaudhary said on January 5, 2013

I'll be posting my reply to the above dream in the next 24 hours.

Sushma Goel said on January 5, 2013

thanks and i will be waiting for your reply

shreyachaudhary said on January 5, 2013

Dream Interpretation Summary

Yeh anubhav bahut positive hai. Yeh aapko bata raha hai ki aap apna bhagya khud baneyengi, apne pati aur bete ke saath aseem pyaar ka rishta nibhatey huey. Devi shaktiyah aapkey saath hai. Punditon ke chakkar se bahar nikle

Dream Interpretation detail

1)Horoscope: represents concerns that you are having about your future

2) Indu: represents Devi shakti. You are blessed that the shakti is helping you even when you are being stubborn and juvenile in your life. Try to use your blessings wisely and in good efforts

3)Pundit: represents your desire to depend on other people. Other people will not be there to help you.

4) Maathe pe gond: represents that you need to 'stick' and depend on yourself and your husband more. If you are having any current conflict with your husband, try and resolve it.

5) Husband, milk: represents domestic happiness and inner nourishment. the dream suggests that you have a loving husband who is willing to provide you with all the help and nourishment you need. If you accept his love and value what he says more, you will be less fearful of your future

Suggested Dream San-kalp (Law of intention)

1) Durga maa: Pray to her for inner strength and fearlessness.And happy marriage

2) Surya Dev: Pray to him for good luck about your future

Sushma Goel said on January 4, 2013

Ek bahut bada tent hai,wahan par Kalki ji ka koi programme ho raha hai. Tent reddish orange ,mixed colours ka hai.Stage ke saath jo stairs hai wahan par Ommo bhaiya (mamaji) baithe hai,thode neeche steps par main baithee hoon.Wahan par Subhash (mamaji's brother) aa kar baith jaate hai.Aur sab log stage ke saamne neeche baithe hai.Vinod bhabhiji (mamaji's badi bhabhi) saamne baithee hai,stairs par nahi.

This is a good dream. It is indicative of your future success and glory

Dream Interpretation detail

To see steps in your dream represents your ambitions, achievements and goals in life. To see see that you are sitting on steps indicates that you need to pause from your daily life and re-evaluate your current decisions and future goals

Suggested Dream San-kalp (Law of intention)

1) Thank Kalki for showing you this height of glory. Add Rs 20 to Kalki 'Shubh' Account.

2) Pray to Surya dev and Guru Hanuman and ask them guidance to reach the same height of glory that mamaji has reached by doing good work for kalki

स्वप्नानुभवों पर आधारित पहली बार छपी पुस्तक **स्वप्नानुभव एक संपदा** जिसे लोग आम भाषा में सपना ही कहते हैं। **स्वप्नानुभव एक संपदा** स्वप्न, अर्थ, उपचार, प्रार्थना सहित भक्तों की आपबीतियों एवं अनुभवों के साथ उनके नाम व टेलीफोन नंबर सहित छपा भारतवर्ष का यह पहला ग्रंथ है। इस पुस्तक की सराहना न केवल भक्तों द्वारा अपितु दैवी (अंतर्जगत) द्वारा भी की गई, इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अंतर्जगत द्वारा इस पुस्तक के भाग-2 का नामकरण **भविष्य-दर्शन** किया गया है। अब इस पर मामाजी तथा सुश्री सुषमा गोयल द्वारा काम आरंभ हो चुका है।

जैसा कि **स्वप्नानुभव एक संपदा में मानूँ मैं न मानूं** पृ.5 पर छपे लेख के द्वारा हमने आप सभी को बताया था विभिन्न कारणों से बहुत से भक्तों की आपबीतियाँ व अनुभव इस पुस्तक में नहीं छप सके थे। इस बार ऐसे सभी भक्त भविष्य-दर्शन के लिए अपने स्वप्नानुभव एवं आपबीतियां हमें भेजें इससे कल्कि समाज को दिशा निर्देश व फायदे मिलेंगे। आधुनिक भाषा में कहें तो राहुल गांधी को जिस प्रकार आज नेहरू जी की रॉयल्टी रही है अपने स्वप्नानुभव समाज के लिए देकर आप भी ऐसी वैभवता पाएंगें।

विश्व में पहली बार छपी स्वप्नानुभव एक संपदा स्वप्न, अर्थ, उपचार व प्रार्थना सहित कल्कि भक्तों के लिए एक सरल रास्ता है वैभवता पाने का और परेशानियों से निकलने का

वनमानुष से नाश नहीं सर्वनाश

—सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)

स्वपनानुभव—मुझे दिखा कि बहुत ही डरावना काले सफेद रंग का लंबा मुँह शरीर कांटे की तरह बैठा एक वनमानुष एक जाली में से मेरे ऊपर झपट रहा है। मैं डर और घबराहट से पीछे की ओर हो रही हूँ जिससे मुझे वनमानुष पकड़ न पाए।

उपचार—11 सिक्कों के साथ शंकर जी के 11 रूद्राभिषेक करने का संकल्प।

प्रार्थना—हे भोलेनाथ, कलियुग की जो अघोरी, तांत्रिक, प्रेत, पैशाचिक और अतृप्त पितृ शक्तियां आपके गणों के साथ मिलकर मुझे व मेरे परिवार व व्यापार को वनमानुष के रूप में तबाह और बर्बाद करना चाहती हैं मैं 11 रूद्राभिषेक 11 सिक्कों के साथ संकल्प कर रही हूँ उसे स्वीकार करें। इस संकल्प द्वारा उन्हें उनका भाग देकर संतुष्ट और तृप्त करें। उन्हें उनके लोकों में भेजें। उनके हर प्रहार से मेरी व मेरे परिवार व व्यापार की रक्षा करें, हमें सुख सौभाग्य आरोग्यता प्रदान करें। मुझे सुखी भाव से वैभवतापूर्वक कल्कि जी के प्राकट्य का प्रचार का कार्य करना है।

व्यापार और परिवार की रक्षा के लिए सूर्य भगवान, गाय माता, अन्नपूर्णा माँ, एक ब्राह्मण का सीधा जब तक सही अनुभव न आवे प्रतिदिन निकालें।

प्रार्थना—हे सूर्य भगवान आप असंभव को संभव करने वाले हो। आप प्रगट नारायण हैं। मैं आपको जल अर्पण कर रही हूँ इसे स्वीकार करें। मेरे पूरे परिवार की रक्षा करें व्यापार की रक्षा करें, वनमानुष के कुप्रभाव से हमारा बुरा होने से रोकें और मेरे परिवार को अपना सुरक्षा कवच प्रदान करें। मुझे सुखी भाव से वैभवतापूर्वक कल्कि जी के प्राकट्य का प्रचार का कार्य करना है।

गाय माता—हे माँ! वनमानुष के कुप्रभाव से हमारा बुरा होने से रोकें हमारे व्यापार और परिवार की रक्षा करें। हमें अपना सुरक्षा कवच प्रदान करें। हमें सुखी भाव से वैभवतापूर्वक कल्कि जी के प्राकट्य का प्रचार का कार्य करना है।

अन्नपूर्णा—हे कल्कि भगवान मैं एक ब्राह्मण का भोजन और दक्षिणा के साथ अर्पण कर रही हूँ इसे स्वीकार करें। मेरे परिवार व व्यापार को अपना सुरक्षा कवच प्रदान करें मुझे सुखी भाव से वैभवतापूर्वक कल्कि जी के प्राकट्य का प्रचार का कार्य करना है।

दृष्टा ने व्यापार और परिवार को संकटों से बचाने के लिए व्यापार में आए नुकसान से बचने के लिए जो उपचार चल रहे थे उनमें भी वनमानुष से बचने की प्रार्थना जोड़ कर यह उपचार किए—

दुर्गा मां की हलवा पूरी, योगमाया महारानी, वासुकि जी, विश्वकर्मा जी, बगुलामुखी माँ, भैरों बाबा, लक्ष्मी जी, गणेश जी, हनुमान जी, कल्कि जी और माँ बगुलामुखी का हवन। (सभी देवी देवताओं की प्रार्थना ग्रंथ के अंत में (पृ. 205) देखें।

वासुकि जी से सर्पशक्तियों को हटाने का उपचार व प्रार्थना भी की।

उपचार— प्रतिदिन 1 बेसन के लड्डू के पाँच टुकड़े करके 1 रूपए दक्षिणा के साथ वासुकि जी को चढ़ाना है और प्रार्थना करनी है कि हे वासुकि जी हमारे घर और व्यापार से सर्प शक्तियों को हटाइए। मेरे परिवार को अपना सुरक्षा कवच प्रदान करें मुझे सुखी भाव से वैभवतापूर्वक कल्कि जी के प्राकट्य का प्रचार का कार्य करना है।

हनुमान जी— व्यापारिक और घरेलू परेशानियां ज्यादा होने पर शनिवार को शाम को हनुमान जी के सामने बैठ कर मंदिर में श्री कल्कि जी द्वारा बताई यह पूजा (क्रूर ग्रहों के निवारण अपनों व परायों के नजर टोटके से बचने के लिए) की जाती है।

सामग्री—लाल कपड़ा, हरा आसन, 11 आटे के दीपक, सूखा गोला, बत्ती, काली उड़द, 11 सिक्के, सरसों का तेल, मिट्टी का दीपक आरती के लिए, माला जपने के लिए गोमुखी।

विधि—मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति के आगे लाल कपड़ा बिछाकर 11 दीवों में गोल बत्ती लगाकर उसमें सरसों का तेल और काली उड़द डालें बत्ती को ऐसे चिपकाएं कि वह हिले नहीं। हर दीवे में 4 या 5 दाने उड़द की दाल के डालें। दीवे जला कर 11 सिक्के हाथ में लेकर संकल्प करें— हे हनुमान जी महाराज, आप कल्कि मंडल के आदि गुरू हैं मैं आप से रास्ता चाहती हूँ मैं यह पूजा शुरू कर रही हूँ जिसमें मैंने आटे के 11 दीपक सरसों का तेल और काली उड़द डाल कर जलाए हैं।

हक् अनीह निष्कलंक गौरण्डा दुष्टहा नाशनं पापहा की एक माला का जाप, गुरू हनुमान जी की आरती, कल्कि जी की आरती करके यह संकल्प ले रही हूँ इसे स्वीकार करें। कलियुग की उन सारी दुराचारी, अघोरी, तांत्रिक, काली, म्लेच्छ, आसुरी शक्तियों का दमन करें। फिर अपनी परेशानी बताएं, हमारी परेशानियों से हमें बाहर निकालिए हमारे व्यापार और परिवार की रक्षा करें। मेरे परिवार को अपना सुरक्षा कवच प्रदान करें। मुझे सुखी भाव से वैभवतापूर्वक कल्कि जी के प्राकट्य के प्रचार का कार्य करना है।

आरती मिट्टी की दीवे से करनी है। दीवा आसन पर नहीं रखें। आरती के बाद सारी प्रार्थना दोबारा बोलनी है। आसन अपना साथ में ले आएं लाल कपड़े पर जो दीवे हैं वो वहीं छोड़ दें।

—संकलन स्वप्नानुभव एक संपदा पृष्ठ-163

वजन पर लगाम लगाने के तरीके

दिसंबर अंक में आपने लेख पढ़ा **मोटापे के साथ ब्लड शुगर फ्री** इसी लेख की अगली कड़ी में प्रस्तुत है इस समस्या का निदान

1. खाने को टी.वी. से अलग करें—खाना पीना, झपकी लेना और चैनल बदलते रहना अगर आपकी आदत है तो इस आदत को बदलें। अपनी प्लेट में उतना ही भोजन लें जितनी आपको भूख है।

2. पार्टी से पहले खाना न छोड़ें—अगर शाम को पार्टी में जाना है तो पूरे दिन भूखे न रहें सही अंतराल पर खाना खाएं इससे आप पार्टी में ज्यादा खाने से बचेंगे। मेटाबॉलिज्म नियमित साइकिल के हिसाब से चलता है।

3. गहरी सांस लेने के लिए ब्रेक लें—क्या आपको गुस्सा, बोरियत या तनाव होने पर इमोशनल भूख लगती है अगर ऐसा है तो ऐसा भाव आने पर पहले आप रिलैक्स होकर बैठें। फिर एक एक कर कई बार गहरी सांस लें। ऐसा करने से आपका गुस्सा या तनाव कम होगा। साथ ही आपको असली भूख और इमोशनल भूख में फर्क भी पता चलेगा।

4. खुद को भटकने न दें—पक्के से पक्के इरादे वाला व्यक्ति भी बीच बीच में नियम तोड़ सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि सबसे अहम आखिरी लक्ष्य है। इसलिए नियम टूटने के बावजूद भी हिम्मत न हारें वापिस ट्रैक पर लौट आएं। यह न सोचें कि एक बार नियम टूटने से अब कुछ नहीं हो सकता।

5. बिना बहाने के एक्सरसाइज—अपने रोजाना के शेडयूल में एक्सरसाइज को शामिल करें। कसरत को अपनी रोजाना की जिंदगी का जरूरी हिस्सा बनाएं।

6. कई बार खाएं, कम खाएं— दिन में 6 से 8 बार थोड़ा थोड़ा खाएं आपके शरीर को एक बार में कुछ कैलोरी की जरूरत होती है एक बार ज्यादा खाने से पाचन तंत्र पर जोर पड़ता है। बची कैलोरी फैट के रूप में जमा होने लगती है।

7. दूसरों के साथ शेयर करें— अपना खाना दूसरों के साथ शेयर करना अच्छा आईडिया है। इससे आपकी जबान को बेहतर स्वाद मिलता है लेकिन खाने का हिस्सा कम हो जाता है।

आभार : नवभारत टाइम्स

हम ही क्या डॉक्टर भी कहते हैं

आदमी बीमार पड़ने पर बेवकूफ नहीं हो जाता किन्तु दवा, ऑपरेशन आदि आधुनिक चिकित्सा के नाम पर उसे बेवकूफ बनाया जा रहा है। प्रचारतंत्र ने आदमी के विचारतंत्र को भ्रष्ट करके बिल्कुल कुंठित कर दिया है।

—डॉ. जॉनसन

हम जो कुछ खाते हैं उसके एक तिहाई हिस्से पर जीते हैं, शेष दो तिहाई हिस्से पर डॉक्टर जीते हैं।

—डॉ. एस. कोपलेंड

हम जिसके बारे में कुछ नहीं जानते उस मनुष्य के शरीर में ऐसी दवा पहुंचाते हैं जिसके विषय में हमें ही कुछ ज्ञान नहीं है।

—डॉ. विलियम ऑस्लर

मैंने अपने सुदीर्घ अनुभव में यह देखा है कि अधिकांश ऐपेंडिसाइटिस और पित्ताशय की पथरी के मामलों में शल्यक्रिया की बिल्कुल आवश्यकता नहीं होता।

—डॉ. जे.बी. डेवर

तोप, तलवार, बंदूक, महामारी और अकाल से भी अधिक बर्बादियाँ दवाओं ने की है।

प्रेषक : एल. कांत भारद्वाज

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 2 फरवरी 2013, 2 मार्च 2013
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2 दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री राकेश गोयल, सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)

दिनांक : शनिवार 9 फरवरी 2013, 9 मार्च 2013
स्थान : सी-5/710 मिलन विहार पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)

भगवान श्री कल्कि के सत्संग-संकीर्तन महोत्सव

दिनांक : रविवार, 17 फरवरी 2013
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2 दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 2 बजे से सायं 7 बजे तक
आरती के पश्चात् प्रसाद ग्रहण करके कृप्या हमें अनुग्रहीत करें

सुप्त तीर्थ जागरण अभियान

10 फरवरी 2013 रविवार को संभल में प्राचीन श्री कल्कि विष्णु मंदिर पूर्वीकोट में श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ

प्रिय साथियों,
प्रति मास की भांति रविवार 10 फरवरी 2013 को श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ सुश्री इंदु बंसल, नीलम वार्ष्णेय (क्रिमिनल एडवोकेट)

सुश्री अंजु रस्तोगी (पत्नी श्री अतुल रस्तोगी (एडवोकेट) प्राचीन श्री कल्कि विष्णु मंदिर में करेंगीं क्योंकि *26 एवं 27 जनवरी 2013 को माँ चामुंडा मंदिर हल्लू सराय संभल में भगवान श्री कल्कि की पदमा, रमा सहित मूर्ति स्थापना होने के कारण भक्तों को महीने में दो बार संभल आना सुगम नहीं हो पा रहा था।* श्री कल्कि भक्तों का पिछले हवनों की भांति ही इस श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ में स्वागत है।

भगवान श्री कल्कि की आगामी मूर्ति स्थापनाओं की तिथि देखें शीघ्र ही

KalkiGroup(real) on face book

- **नैनीताल मुक्तेश्वर मंदिर**
  संभावित तिथि : 12 मई 2013
- **विंध्याचल**
- **अग्रोहा धाम**
- **कांशी वाराणसी**

जानकारी के लिए :
श्री मनोज पांडे (9212703815)
श्री विनय राज एडवोकेट (9837787927)
सुश्री रश्मि गुप्ता (9891355625)

माँ विंध्यवासिनी

विंध्याचल वाराणसी से 60 किलोमीटर आगे है और मिर्जापुर से लगभग 8 कि.मी. है, यह इलाहाबाद और मुगलसराय की रेल रोड पर स्थित है।

विंध्याचल माँ के शक्तिपीठों में से एक है। यहाँ माँ दुर्गा को विंध्यवासिनी के रूप में पूजा जाता है। माँ सती के बांए पैर का अंगूठा यहाँ गिरा था। माँ दुर्गा ने महिषासुर के वध के बाद अपनी शक्ति को यहाँ स्थापित किया और इसके बाद शुंभ और निशुंभ का वध किया। माँ विंध्यवासिनी का यह मंदिर गंगा नदी के किनारे पर स्थित है। चैत और आश्विन के नवरात्रों में यहाँ बहुत से आयोजन होते हैं।

विंध्याचल में ही स्थित सीता कुंड वह पावन स्थल है जब भगवान राम, लक्ष्मण एवं सीता जब वनवास से लौट रहे थे तब इस जगह पर माँ सीता को प्यास लगी, तब लक्ष्मण न अपने धनुष से तीर निकालकर पानी की धारा को प्रगट किया था। आज भी पानी का यह स्त्रोत सीता कुंड के रूप में पूजा व जाना जाता है।

कल्कि कल्प-वृक्ष

—मामाजी

मेरा काम बच्चों का हाथ नारायण श्री कल्कि के हाथ में देना है। मुझे उन्हें वास्को डिगामा की तरह कल्कि जी का सुदृढ़ सैनिक बनाना है। मुझे बच्चों के जीवन के शुरू के सिर्फ 6 वर्ष चाहिए। उसमें से भी सिर्फ प्रत्येक महीने के एक दिन के 6-7 घंटे, जिसमें उन्हें खेल-खेल में सनातन धर्म (कर्म प्रधान धर्म का ज्ञान, माता-पिता, बड़ों का सम्मान व भगवान की नवधा भक्ति) के संस्कार दिए जाते हैं। फिर बाकी के वर्षों की मुझे फिक्र नहीं।

मुझे बच्चों के हृदय की प्लेटों पर अच्छे संस्कार अंकित करने (लिखने) हैं ताकि उम्र के हिसाब से आने वाले वर्षों में कलियुग की भीषण आंधी से इस संघर्षमयी जीवन से टक्कर लेते हुए सुखी भाव से आगे ही आगे बढ़ते चले जाएं किसी भी कठिन परिस्थिति में टूटे नहीं। मुझे विवेकानंद की तरह ज्ञानी, झांसी की रानी, शिवाजी, राणा प्रताप व तांत्या टोपे आदि जैसे कल्कि जी के अर्जुन बनाने हैं साधु या संन्यासी नहीं। समाज के अभिन्न अंग बनाने हैं विद्रोही नहीं।

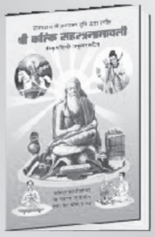

श्री कल्कि बाल वाटिका समस्त

चाँदनी चौक ❖ कसेरू वालान, पहाड़गंज ❖ पालनपुर ❖ देहरादून ❖ असरोही ❖ कोलकाता ❖ चेन्नई

1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661

हाउस नं. 4116, कसेरू वालान, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55, सम्पर्क : 23587079

सी 0-2/16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110035

कॉलेज कम्पाउन्ड, गीता सोसाईटी, पालनपुर : 385001, गुजरात, सम्पर्क : 02742-258068, 09824968440

जी 97, नेहरु कालोनी, देहरादून (उत्तरांचल), सम्पर्क : 0135-2671643, 09837343560

2 नम्बर, हाईट रोड, लिलुआ, हावड़ा-711204 (कोलकाता)

आभार/Ack.: श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स

योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु

Regd. Office : 1903, 1st Floor, Chandni Chowk, Delhi-6, Tel.: 23973383

श्री कल्कि बाल वाटिका मासिक पत्रिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—

☎9312533445, 9968066625, 9968314876

वार्षिक सदस्यता शुल्क : 120/- रुपए मात्र

न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो

मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी : हर्षित गुप्ता, अंकित गड़ौदिया, अक्षय गड़ौदिया-9999885277

Registered with the Registrar of Newspaper for India Under No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL(DG)-11/8061/2012-2014

भगवान विष्णु का पहला ऐसा अवतार जिनकी आने से पहले मूर्तियां लग रही है व पूजा हो रही है

तिरुपति बालाजी में विष्णु जी के साथ पदमा एवं रमा की मूर्तियों के बाद पहली बार 27 जनवरी 2013 को संभल में मां चामुंडा के मंदिर में अश्व चढ़े भगवान श्री कल्कि के साथ पदमा एवं रमा जी की मूर्ति स्थापना

सुश्री नीलम वार्ष्णेय व अलका गोयल चामुंडा मंदिर में भगवान श्री कल्कि का श्रंगार करते हुए

अब संभल में माँ चामुंडा ने कल्कि जी को पदमा रमा सहित बुलाया

सुश्री पूर्णिमा अग्रवाल, साक्षी गुप्ता, नीलम वार्ष्णेय, अलका गोयल, मीनाक्षी गुप्ता, आशा कंवर माँ पदमा (मां लक्ष्मी) कल्कि जी और रमा जी (भू देवी) का श्रंगार करते हुए

आभारी हूँ श्री कल्कि जी आपने माँ चामुंडा मंदिर का प्रोजेक्ट पूरा करवाया!

प्रभु अब कौन सा प्रोजेक्ट पहले देंगे?

श्री मनोज पांडे की अध्यक्षता में संभल गए मामाजी प्रेम शंकर वाटिका में प्रात: भ्रमण करते हुए

ॐ श्री महाकालेश्वर शक्तिपीठ (रजि.)56-बी, न्यू लायलपुर एक्सटेंशन (प्रीत विहार मैट्रो स्टेशन के बराबर) नई दिल्ली में 27 जनवरी 2013 को भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना संपन्न हुई